भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3252

07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

निवारक स्वास्थ्य देख-रेख और जाँच कार्यक्रम

3252. श्री ज्ञानेश्वर पाटील:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पूरे देश में प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य देख-रेख सुविधाओं में डायबिटीज, हाइपरटेंशन और प्रमुख कैंसर की शुरुआती जाँच के कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) जन स्वास्थ्य पहलों के अंतर्गत पोषण शिक्षा को कितना संस्थागत रूप दिया गया है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा अन्य मंत्रालयों के सहयोग से निवारक स्वास्थ्य उपायों के रूप में वायु प्रदूषण से निपटने और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या निवारक स्वास्थ्य देख-रेख पर होने वाले व्यय की तुलना तृतीयक स्वास्थ्य देखरेख और आईसीयू अवसंरचना पर होने वाले व्यय के साथ किए जाने के लिए कोई लागत-लाभ संबंधी आकलन किया गया है, साथ ही, इसके परिणाम क्या हैं तथा सरकार द्वारा इस पर की गई कार्रवाई क्या है और मध्य प्रदेश राज्य का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एनपी-एनसीडी के अंतर्गत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लिनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 6,410 एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, जिला स्तर पर कैंसर परिचर्या की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए देश भर में 524 डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) कार्यशील हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में, देश में सामान्य एनसीडी अर्थात मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई थी। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों को जांच के लिए लक्षित किया जाता है। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार, जुलाई, 2026 तक उच्च रक्तचाप के लिए 42.4 करोड़, मधुमेह के लिए 42.21 करोड़, मुख कैंसर के लिए 36.11 करोड़, स्तन कैंसर के लिए 16.94 करोड़ और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए 9.31 करोड़ व्यक्तियों की जांच की गई है।

पोषण शिक्षा को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और पोषण अभियान के तहत पूरे देश भर में मध्य प्रदेश सहित, जन स्वास्थ्य पहलों का एक अभिन्न घटक के रूप में स्थापित किया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम), ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी), और समुदाय-आधारित प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पोषण शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के लिए एक जीवनचक्र दृष्टिकोण अपनाया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ अभिसरण में लागू पोषण अभियान के तहत, आईसीएमआर–राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) द्वारा तैयार पोषण ई-लर्निंग मॉड्यूल के सहयोग से जन आंदोलन दृष्टिकोण के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन संचार को बढ़ावा दिया जाता है। पोषण शिक्षा को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) और ईट राइट इंडिया पहल के माध्यम से और सुदृढ़ किया जाता है। मध्य प्रदेश सहित सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में इन कार्यकलापों को समान रूप से कार्यान्वित किया जाता है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वायु प्रदूषण से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए वर्ष 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया है। जल शक्ति मंत्रालय राज्यों के साथ साझेदारी में जल जीवन मिशन (जेजेएम) – हर घर जल को कार्यान्वित कर रहा है, ताकि देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवारों को कार्यात्मक नल जल कनेक्शन के जरिए पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत एनसीडी के निवारक पहलू को सुदृढ़ किया जाता है, जिसमें मध्य प्रदेश सहित पूरे देश में सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक कार्यकलापों को बढ़ावा देना और लक्षित संचार करना शामिल है। एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवसों को मनाने और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, फिट इंडिया मूवमेंट नियमित शारीरिक कार्यकलाप और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देता है, जबकि खेलो इंडिया कार्यक्रम सभी आयु वर्गों में खेल और फिटनेस को प्रोत्साहित करता है। आयुष मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य और आरोग्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योग-संबंधी कार्यकलाप भी किए जाते हैं।

*****